CGPSC MAIN EXAM 2013
PAPER I
Language

1.Translate following paragraph into hindi:

एक ठन गांव मा महेस नाव के मनखे रहाय। दाई.ददा के दुलार के आघु मा वोकर सबो गलती माफी रहाय। महेस के एको झन भाई.बहिनी घलो नी रिहिस। घर के गलती ला दाई.ददा अनदेखी कर देत रिहिन। फेर घर के बाहिर मा महेस के गलती ला वोकर दाई.ददा ला बताय ता वोमन महेस के गलती ला कभू नी मानिन। वोहा जईसने करे वोकर दाई ददा मन उही मा खुस रहाय। जानो मानो दाई.ददा के आंखी मा पटटी बंधागे तईसे। महेस हा अपन दाई.ददा के बल मा गरजे। अउ पारा.परोस मा सबला दबाके रखेके परयास करे। सबो मनखे वोकर दब मा घलो रहाय काबर वोहा उचपूर अउ मोठ डाठ रहाय। छोटे.मोटे मनखे वोकर तीर मा ओधबे नी करे बड़े बड़े मेछा लामे रहाय। नान नान लईका मन देखके वोला बिक्कट डरराय। जेनला वोहा किदे तेनला माने ला परे। वोकर गोठ ला कोनो काटे के सोचे घलो नही। वोहा धीरलगहा गोठियातिस तहु चिचियाय बरोबर लागे। अउ जेनहा वोकर बात ला नी माने तेकर बर बदला लेबर घलो पीछुनी हटे।

अईसने अपन परवार मा अपने चलाय। सब मनखे वोकर ले थर खागे रहाय। फेर काय करे जिद करने वाला कर काकरो चलथे थोरे। तेकर ले महेस के गोठ ला एक कान ले सुने अउ दुसर कान ले निकाल दें। लईकापन मा अतलंग करते रिहिस फेर जवानी मा घलो उही हाल रिहिस। येतन बर बिहाव हो गेहे तिहाने कोनो सुधार नी होईस। दाई.ददा मन भगवान घर चल दिन। महेस ला लईका सियान कोनो बने नी कहाय। आघु मा वोकर बड़ई मारें अउ पीठ पीछु वोला गारी दें। येतन महेस के लोग लईका के बर बिहाव होके नाती.पंती वाला होगेहे। महेस के जवानी के जोस थोरको कमती नी होत हे। ये उमर मा घलो कोनो ला मारना.पीटना लाल आखी देखाना चलते रहाय। येकर करनी हा घर अउ बाहरी के मनखे ला थोरको नी सुहाय। घर के परानी हा बरजे उहु ला लाल आंखी देखाय।

लोग लईका मन अपन परवार ला धरके अलग रहात हें।
बने कहाय। नाती.पंथी मन घलो महेस ला बने नी कहाय।

उमर पहाती होत आत महेस के जांगर खंगत जात हे आंखी कान कमजोर परत हे। वोला लगत हे अब मोला सहारा के जरूवत हे। परवार के सहारा के बदला लउठी हा वोकर सहारा बनत हे। फेर कोनो ला अपन जबान मा केहेके लाईक नईहे। अपन पाहरो के सुरता हा आवत हे। नाती नतरा ला कुछु किथे ता अब उहु मन तिरिया देवत हे। बहु बेटा मन वोकर सुनत नईहे। अउ बीते बेरा के वोकर करनी ला सुरता देवात हावे। दिन बीतत हावे हाथ गोड़ चलना बंद होवत हे। बिगर सहारा के आघु बड़ना दुभर होवत हे। अब येतन महेस ला अपन जवानी के सबो करनी हा दरपन बरोबर झुलत रहाय। पारा परोस के मनखे वोला झांके तक ला नी आथे। येतन जठना मा उठे बईठे के लईक घलो नी रहिगे। लोग लईका जेदेखथे तेनला सोरियाथे फेर कोनो वोकर तीर मा नी ओधत हे। जेनहा वोला देखथे
तिही वोला धकिया देथे महेस के मरे बिहान होगे। पईसा कौड़ी देके अपन बूता कराय बर सोचथे, वोकरो बर कोनो तियार नी होय। खटिया मा पचे बरोबर होवत हे। भगवान ला बिनती करत हे मोला जलदी मुकती दे कहिके फेर उहु हा सुनत नईहे। चारो मुड़ा महेस ला अधियारी दिखत हे। बेटी माई एक दु दिन बर आथे अउ मया बड़हा के चल देथें। परानी हा पहिली ले भगवान घर चल देहे। अपन पाहरो मा वोहा कभु कोनो दुख पीरा ला नी जानिस। जेने देखे तेने हा महेस ला दु बात ठोकर मार तिस। दन रात अपन सहारा बर तरसत घर के एक ठन कुरिया मा हावे। खवई पियई के ठिकाना नईहे। ये बेरा सबला असीस देके उमर मा सबके सरापा बखाना खावत हे। जिनगी धिक्कार बरोबर होगेहे। महेस हा जीते जी मरगे हावे। महेस हा अपन करनी ले अपने अपन मा माफी के लईक नी समझत हे। पल पल में सांस हा मरत हे। अपन करनी केपछतावा मा अब अईसने भगवान ला बेरा मांगत ईही अपन करम के फर ला भोगत हे।

CONTD……